निबंध (ESSAY)

निर्धारित समय: 3 घंटे
Time allowed: 3 Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: Sateesh kumar Meena **Mobile Number:** _____

Medium (English/Hindi): _____ **Email:** _____

Center & Date: _____ **UPSC Roll No.:** _____

प्रश्नपत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पहले निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को कृपया ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख उत्तर पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों को अंक नहीं दिये जाएंगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिये।

उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णत: काट दीजिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Answer Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Answer Booklet must be clearly struck off.

	निबंध विषय संख्या (Essay Topic No.)	अंक (Marks)
खंड-A Section-A		
खंड-B Section-B		
सकल योग (Grand Total)		

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(4.)

"असमानता का सबसे विकृत रूप असमान चीजों को समान बनाने का प्रयास करना है"

हाल ही ऑक्सफैम द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट एवं वैश्विक असमानता रिपोर्ट में यदि अमीर एवं गरीब वर्ग का अंतर देखना चाहेंगे तो एक आपको जमीन पर तो दूसरा आसमान पर नजर आयेगा। इन रिपोर्टों में यह दिखाया गया है कि किस प्रकार विश्व की सबसे अमीर जनसँख्या का 10% विश्व की कुल संपत्ति का 73% धारण किए हुए हैं एवं सबसे गरीब जनसंख्या का 50% केवल 6% संपत्ति को धारण किए हुए हैं

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

वर्तमान में सभी सरकारों के द्वारा बेरोज़गारी एवं मुद्रास्फीति के बढ़ने के संदर्भ में ये तर्क दिए जा रहे हैं कि कोविड-19 महामारी के कारण सभी देश इनका सामना कर रहे हैं और सभी देशों पर इसका प्रभाव भी समान रूप से पड़ रहा है।

परंतु, ये आँकड़े सरकारों के उचित निष्कर्षों से भिन्न प्रतीत होते हैं क्योंकि जहाँ भारत जैसे देशों में गरीबों की आय में 11% की गिरावट आई है वहीं सबसे अमीर 1% जनसंख्या की आय भारत में दोगुनी हो गई है। इसके अलावा बड़ी-बड़ी वैक्सीन निर्माताओं कंपनियों वाले देशों की आय में कोविड महामारी के कारण अत्यधिक इजाफा हुआ है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

ये सब हाल ही में प्रकाशित कई रिपोर्टों में सामने आया है।

अब यह समझना महत्त्वपूर्ण है कि असमानता का क्या तात्पर्य है? इसके कौन-कौन से रूप हैं? क्या इसका सबसे विकृत रूप 'असमान चीज़ों को समान बनाने का प्रयास' है या कुछ और भी महत्त्वपूर्ण है? अंत में यह समझना महत्त्वपूर्ण है कि इस असमानता को कैसे कम किया जा सकता है या इसके प्रति क्या दृष्टिकोण बेहतर हो सकता है?

असमानता का तात्पर्य एक ऐसी स्थिति से है जो आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक एवं अन्य मामलों में एक-दूसरे की क्षमताओं में अंतर को प्रदर्शित करती है यथा एक व्यक्ति

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

कोविड-19 लॉकडाउन के समय हमने अखबार के माध्यम से अपने गंतव्य को जा रहा था तो दूसरा पैदल अपनी गरीबी के बोझ को ढ़ो रहा था।

असमानता के कारण समाज में निम्न वर्गों का कल्याण प्रभावित होता है जिसे निम्न प्रकार से समझा जा सकता है कि -

एक गरीब व्यक्ति अपनी जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति में सक्षम नहीं होता है जिसके कारण कुपोषण, शिक्षा एवं बेहतर स्वास्थ्य की कमी गरीबी के दुष्चक्र को बनाए रखती है तथा ऐसे परिवारों में अशिक्षा की पीढ़ियाँ दुष्प्रभावित होती हैं।

एक निम्न क्षमता वाला व्यक्ति बेहतर सुरक्षा वाला स्मार्टफोन खरीदने में सक्षम नहीं हो पाता है जिसके कारण वह

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

व्यक्ति निजी डाटा की चोरी का शिकार हो सकता है और यह उसके निजता के अधिकार का उल्लंघन का कारण बनता है।

सूचना प्रौद्योगिकी तक पहुँच की कमी निम्न वर्गों को सरकारी योजनाओं की बेहतर जानकारी प्राप्त करने में बाधा उत्पन्न करती है जिसके कारण देखा गया है कि NSP का लाभ 6% किसान; RTE के तहत 25% सीटों का निजी स्कूलों में आरक्षण का लाभ न ले पाना आदि के कारण उनका कल्याण प्रभावित होता है।

असमानता के समाज में कई रूप देखे जा सकते हैं यथा - राजनीतिक क्षेत्र में, आर्थिक क्षेत्र,

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सामाजिक, सांस्कृतिक, भू-राजनीति के स्तर पर परन्तु इन सबमें यह सबसे विकृत रूप है जिस प्रकार समाज में उच्च पायदान पर प्रतिष्ठित व्यक्तियों के द्वारा असमान चीजों को समान बनाने का प्रयास किया जाता है।

समझा जा सकता है कि कैसे "कानून का शासन" जो कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद-14 के तहत सभी को प्राप्त है वह किस प्रकार निम्न वर्गों को उतना फायदा नहीं पहुँचाया है जिसका एक बड़ा कारण न्याय की खर्चीली व्यवस्था तक समाज के निम्न वर्गों की पहुँच का न होपाना है जिसका एक उदाहरण इस बात से लगाया जा सकता है कि भारत की जेलों में बंद अंडर ट्रायल

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

कैदियों की लगभग 73% आबादी निरक्षर एवं गरीब लोगों की है वहीं दूसरी तरफ प्रभावशाली लोगों अत्यधिक धन खर्च करके बड़े-बड़े वकीलों की व्यवस्था कर, बड़े-बड़े अपराधों से बच निकलते हैं जो हमारी न्याय व्यवस्था का मखौल बनाने के समान है।

इसी तरह संविधान के तहत सभी व्यक्तियों के चुनाव लड़ने के अधिकार को लोकतंत्र की नींव माना जाता है, परंतु आज चुनाव पर खर्च की सभी सीमाएँ लांघी जा रही हैं इनका परिणाम यह हुआ है कि मध्यम वर्ग का व्यक्ति चुनाव लड़ने की सोच भी नहीं सकता है। ADR की एक रिपोर्ट दर्शाती है कि वर्तमान में सज्जन आदमी की तुलना में पैसे के बल पर चुनाव जीतने की संभावना

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दुगुनी है।

उसी प्रकार विकसित देशों द्वारा लगातार विकासशील देशों के साथ WTO, पर्यावरण समझौतों के फोरमों पर समान व्यवहार करने के लिए जोर दिया जाता है तथा 'समान किन्तु विभेदीकृत जिम्मेदारी' जैसे सिद्धांतों पर सवाल उठाए जाते हैं परन्तु, यह देखने पर इस प्रकार से अत्यधिक दूर है क्योंकि विकासशील देशों की क्षमताएँ, विकसित देशों की तुलना में अत्यधिक कम हैं साथ ही विकासशील देशों को अपनी अर्थव्यवस्था एवं समाज को विकसित समाजों के समान लाने का दायित्व भी होता है अतः यह असमानों

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

को समान दिखाने का प्रयास, अत्यधिक विकृत रूप है।

इसी प्रकार सरकार द्वारा प्रौद्योगिकी को सभी के लिए सर्वसुलभ माध्यम के रूप में बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी के तहत "Covin app" का प्रारंभ टीके के slot बुक करने के लिए सभी के लिए प्रारंभ करने के लिए किया गया था परंतु इसने एक प्रौद्योगिकी सक्षम व्यक्ति एवं निरक्षर व्यक्ति के साथ भेदभाव है

असमानों के साथ समान प्रयास

करने का दुष्प्रभाव यह है कि जो वर्ग कमजोर होता है, वह क्षमताओं की कमी के कारण, उसके सामने आने वाले अवसरों का लाभ नहीं उठा पाता है एवं जानकारी के अभाव

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

मैं अपने अधिकारों के प्रति जागरूक भी नहीं होता है।

अतः आवश्यकता इस बात कि है कि असमानता के सभी अर्थों को सभी जीवन के क्षेत्रों से समाप्त करने की तत्काल आवश्यकता है इसके लिए सरकार को अमर्त्य सेन के क्षमता आधारित सिद्धांत के अनुरूप काम करने की आवश्यकता है और समाज में सभी वर्गों में क्षमताओं के विकास को प्रोत्साहित करने की भी आवश्यकता है। इसके साथ योजनाओं के क्रियान्वयन का उद्देश्य Triple-trickledown (people, planet, economy)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया जाना चाहिये। साथ ही गांधी के 'अंत्योदय' से 'सर्वोदय' के लिए प्रयास करने की आवश्यकता है ताकि असमानता को खत्म किया जा सके चाहे वो किसी भी रूप में हो।

×——×——×——

Copyright – Drishti The Vision Foundation

?

असमानता का सबसे विहृत रूप

असमान चीजों को समान बनाने का प्रयास है

→ Rule of Law (Art-14)
(सभी समान)

→ चुनाव लड़ने के बराबर अधिकार
(but पैसा चाहिए)

Covid-19 effect

Vaccine same
Jehnod

असमानता का विहृत रूप → सूचना तक पहुँच की कमी, शिक्षा, न्यायालय

↓

अधिकारों का हनन
↓
शिक्षा का हनन
↓
न्याय की प्राप्ति न होना

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

खण्ड-B

(4) "बिन उन्माद के स्पर्श के कोई महान प्रतिभाशाली नहीं होता"

" अनुकरण की आदत लगभग विश्व के अधिकांश समाजों की है, लेकिन चिंतन एवं मनन की आदत कुछ ही समाजों में है। और हम आज देख पाते हैं कि कुछ ही समाज आगे बढ़ पायें हैं"

वॉल्टर बेजहॉट

वॉल्टर बेजहॉट के द्वारा कहे गए, इस कथन से ये तो अनुमान लगाया जा सकता है कि क्यों आज कुछ पश्चिमी यूरोपीय अर्थव्यवस्था, अमेरिकी समाज इतने विकास के उच्च पायदान पे हैं और तृतीय विश्व के देश अभी भी गरीबी, भुखमरी, कुपोषण आदि समस्याओं से जूझ रहे हैं। वर्तमान के विकसित देशों ने विकास के ऊँचे पायदान को, भूतकाल में उनके द्वारा लगातार, तार्किकता को महत्व, चिंतन-मनन पर बल, जिज्ञासु प्रवृत्ति को

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

प्रोत्साहन आदि के माध्यम से ही प्राप्त कर पाये हैं।

जैसा, भले ही इन सरकारों ने अपने सामाजिक कार्यों पर किए जाने वाले खर्च में कटौती करके अनुसंधान एवं विकास पर बल देकर किया हो या अपने समाज को बिना असफलता के डर के हमेशा आगे बढ़ते रहने के विचारों को प्रोत्साहन देकर किया हो।

अर्थात् बिना कुछ नया करने की सोच, अलग तरीके से चीजों को देखने की आदत, किसी चीज को पाने की अत्यधिक लालसा के बिना अर्थात् उन्माद के बिना सफलता प्राप्त करना जीवन में कठिन होता है।

हम, आज सम्पूर्ण विश्व में देख सकते हैं कि लाखों लोगों के रोज जन्म लेने व मरने से कितनों को यह संसार

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

समझदार मानता है। अर्थात् इस संसार में बहुत कम लोग ही, देश ही समझदारी के उच्च पायदान तक पहुँच पाते हैं।

अगर, हम भारतीय समाज की बात करें, तो 18वीं सदी में महिलाओं की स्थिति अत्यंत दयनीय थी। कन्या भ्रूण हत्या, सती प्रथा, बाल विवाह, विधवा पुनर्विवाह की अनुपस्थिति आदि ने महिलाओं को दोयम वर्ग का नागरिक बना के रख दिया था। परन्तु, कुछ लोग यथा राजा-राम मोहन राय, ईश्वरचंद्र विद्यासागर आदि ने समाज को कुछ सभ्य बनाने के लिए कुछ नया करने के साहस से उस समय की रूढ़िवादी ताकतों के साथ लड़ते हुए सतीप्रथा, अन्य। कन्या भ्रूण हत्या जैसे कानून लाकर प्रतिबंध लगवाया।

इसी प्रकार, डा. भीमराव अंबेडकर हो या ज्योतिराव फुले जी ने व्यवस्था में निचले पायदान पर स्थित जातियों में आत्मविश्वास, शिक्षा के प्रोत्साहन के माध्यम से समाज में मानवता के अनुरूप सभी को

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

समान अधिकार दिलाने के लिए लगातार प्रयास किया।

राष्ट्रीय स्तर पर समझे तो डा० होमी जहांगीर भाभा, अब्दुल कलाम जी आदि जैसे वैज्ञानिकों के उन्माद या किसी कार्य को करने के लिए दृढ़ निश्चय का ही परिणाम था कि भारत आज अंतरिक्ष क्षेत्र में एक उभरते हुए नक्षत्र के रूप में विराजमान है। जिसे एक साथ 104 उपग्रह प्रक्षेपित करने की बात हो या चन्द्रमा की सतह पर रोवर उतारने की तकनीक का विकास हो, के संदर्भ में देखा जा सकता है।

सूचना प्रौद्योगिकी के उभरते क्षेत्रों के (Nano तकनीक क्वांटम कम्प्यूटिंग, AI) आदि सभी क्षेत्रों में भारतीय सरकार ने नए-नए मिशन लगातार प्रारम्भ किए हैं ताकि इन क्षेत्रों में महारत

हासिल कर देश को उन्नत प्रौद्योगिकी गंतव्य के रूप में स्थापित किया जा सके।

साथ ही, भारत लगातार स्टार्ट-अप क्षेत्र को प्रोत्साहन देता आया है। 'स्टार्ट-अप योजना' इस क्षेत्र के लिए सरकार द्वारा प्रारम्भ की गई थी। "कर में छूट" देने का मुख्य उद्देश्य इस क्षेत्र की भविष्य की संभावनाओं के संदर्भ में महत्त्वपूर्ण भूमिका के रूप में है। इसी का परिणाम है कि आज भारत यूनिकार्न के मामले में विश्व में दूसरे एवं कुल स्टार्टअप की संख्या के मामले में तीसरे स्थान पर है।

इसी प्रकार का उदाहरण छत्तीसगढ़ के नक्सलप्रभावित क्षेत्र दंतेवाड़ा के संदर्भ में महत्त्वपूर्ण है, वहां एक

पुलिस अधिक्षक अभिषेक पल्लव के द्वारा चलाए गए "लोन वारंट अभियान" के कारण हजारों नक्सलवादी आत्मसमर्पण कर चुके, ऐसे क्षेत्रों में इस प्रकार के कदम उठाने से कोई भी दस बार सोचेगा, परंतु अभिषेक जी ने इस कदम को दृढ़ निश्चय के साथ आगे बढ़ाया। जिससे आज उन्हें समाजहित में किए गए अपने प्रयासों के कारण याद किया जाता है।

बाल-बहादुर शास्त्री जी हो, जिन्होंने भारत-पाक युद्ध के समय, भारत की स्थिति युद्ध के समय पूरी तरह तैयार न होते हुए भी पाक के खिलाफ युद्ध की घोषणा की साथ ही अमेरिका से खाद्य आपूर्ति बंद होने जैसी परिस्थितियों में भी अपने आत्मविश्वास एक देश के किसान व जवान में भरोसा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

दिखाकर हरित क्रांति के स्वप्नों को साकार किया एवं एक स्वतंत्र देश के रूप में बांग्लादेश के निर्माण की आधारशिला रखी।

1974 के परमाणु परीक्षणों के बाद जब अमेरिका लगातार भारत पर नजर रखे हुए था तब सभी विशेषज्ञों की असहमति के बावजूद दृढ़-निश्चयी अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा 1998 में परमाणु परीक्षण का निर्णय करना एक महान प्रतिभाशाली व्यक्तित्व को ही दिखाती है व्यापक देशी एवं विदेशी विशेषज्ञों ने उस समय भले ही उनके इस निर्णय का विरोध किया हो, पर आज हम समझ पाते हैं कि एक तरफ वहां चीन से डोकलाम विवाद का सामना हो या पाकिस्तान से कश्मीर सामना, भारत के परमाणु शक्ति होने ने एक निरोधक के रूप में काम किया है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

देश में पर्यावरण संरक्षण के लिए चिपको आन्दोलन हो या अप्पिको आन्दोलन या नर्मदा बचाओ आन्दोलन, सभी में एक बड़ी शक्ति के प्रति खड़ा होने के पागलपन दिखता है, परन्तु आज भी आन्दोलन बढ़ते जलवायु परिवर्तन के दौर में हमारे समाज को पर्यावरण संरक्षण के लिए लगातार प्रेरित करते हैं।

इसी प्रकार केरल का कुडुंबश्री हो या अन्य दक्षिण राज्यों में स्वयं सहायता समूहों के गठन ने महिलाओं के प्रति पूर्वाग्रहों को तोड़ने एवं परिवार में उनकी महत्त्वपूर्ण भूमिका को प्राप्त करने में प्रमुख सहयोग दिया था साथ ही ADR, MKSS, PUCL आदि जैसी सिविल समाज लगातार प्रतिरोधों का ~~सामना~~ सामना करते हुए लगातार

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

गरीब, वंचित, अशिक्षित वर्गों की आवाज उठा रहे हैं साथ ही देश की लोकतांत्रिक प्रणाली को बेहतर बनाने में लगातार सहयोग भी कर रहे हैं।

अर्थव्यवस्था मानव कल्याण को सुनिश्चित करने का प्रमुख माध्यम होता है। चाहे समय समय पर सरकारों द्वारा लिए गए निर्णय यथा – 1969 में बैंकों का राष्ट्रीयकरण, 1991 का आर्थिक सुधारों का अपनाना या 2016 का विमुद्रीकरण आदि ने देश की अर्थव्यवस्था को उचित दिशा देने में सहायक रहे हैं।

राजनीति में भी जवाहर लाल नेहरू की शीत युद्ध के समय गुटनिरपेक्षता की नीति हो या महात्मा गांधी की ब्रिटिश सरकार के प्रति अहिंसा, सत्याग्रह आदि की नीति को उस समय अधिकतर लोगों ने उचित नहीं ठहराया, परन्तु इन

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

नेताओं की दृढ़ता का ही परिणाम है कि आज हम एक ही दम में अपनी स्वतंत्र विदेश नीति की बनाए रख पाये तो दूसरे के दम पर स्वतंत्रता को प्राप्त कर पाये।

इसी प्रकार विश्वस्तर पर देखें तो चाहे तो राईट बंधु हो जिन्होंने चिड़िया को आकाश में उड़ता देखकर स्वयं का उड़ने का ख्याल देखा हो या न्यूटन के पेड़ से फल गिरने का आश्चर्यचकित हो जाना हो या एडीसन का रात्रि के समय भी "सूर्य" को खिला देने की सोच हो; जिस पर भले ही उस समय ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया हो, परन्तु वर्तमान में जीवन के महत्वपूर्ण क्षेत्र यथा - परिवहन, विद्युत आदि इन्हीं प्रयोगों या उनके विचारों की ही कहानी कहते हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

साथ ही कॉलेज छोड़कर फेसबुक और दिन रात काम करने वाले टेसला कंपनी के CEO एलन मस्क ही; रेडियम की खोज के लिए जान गंवाने वाली मैडम क्यूरी हो सभी ने अपने जूनून में हमेशा समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। और समाज आज इन्हें महान प्रतिज्ञाशाली के रूप में जानता भी है।

परन्तु इस बात को समझना भी महत्वपूर्ण है कि उन्माद केवल एकमात्र वस्तु है क्या महान प्रतिभाशाली होने के लिए या कुछ अन्य चीजें भी आवश्यक हैं?

अगर हम हिटलर, मुसोलिनी, महान सम्राट सिकंदर आदि लोगों को देखें, तो हम यह समझ सकते हैं

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

कि इन लोगों की महत्वकांक्षाओं या यूं कहें कि पागलपन ने समाज का विनाश बड़े स्तर पर किया। चाहे फिर वह औरंगजेब हो जिसने अपने साम्राज्य विस्तार के लिए अनैतिक प्रथाओं का सहारा लेना हो। इन सभी के उन्माद के परिणाम स्वरूप, ये विश्व में महान प्रतिभाशाली के बजाय इन्हें हेय-दृष्टि से देखा जाता है।

इस प्रकार यह समझा जा सकता है कि उन्माद के साथ नैतिक मूल्यों के प्रति आस्था, समाज कल्याण की भावना, तार्किकता से परिपूर्ण सोच, दृढ़ निश्चयी, साहस आदि के साथ लीक से हटकर काम करने की भावना का होना भी एक महान

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

प्रतिभाशाली बनने के लिए अत्यावश्यक है। जब हम कबीर, महात्मा बुद्ध, महावीर जी आदि को देखते हैं कि उनके द्वारा बनी बनाई लीक से हटकर कार्य करने के कारण ही आज वे संसार में महान प्रतिभाशालियों में शामिल हैं।

उपर्युक्त विवेचना से स्पष्ट है कि यदि एक समाज में अपने लोगों के कल्याण को बढ़ाना चाहता है या देश विकास के उच्चतम पायदान में पहुँचना चाहता है तो उसे समाज में नवाचार, उत्सुकता, महत्वकांक्षाओं को दबाने के बजाय लगातार प्रोत्साहित किया जाना चाहिये।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

इन सब में परिवार के सदस्यों के साथ, विद्यालयों आदि की मूल्य परक शिक्षा एवं प्रोत्साहन की आवश्यकता है तो सरकार द्वारा 'Atal innovation India', Start-up India', Nano Mission आदि जैसे महत्वपूर्ण योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन के साथ अन्य और भी योजनाओं का क्रियान्वयन करना चाहिये ताकि भारत नवाचार के दम पे, भविष्य की नई चुनौतियों का सामना कर सकें और मानव कल्याण की उच्च भूमि पर प्रतिस्थापित हो सके।

———x ———x ———

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

A person is moral as long as he has not had the opportunity to be immoral.

व्यक्ति की स्वार्थी प्रवृत्ति उसे अधिक से लाभ के लिए प्रेरित करती है

• Hitler

e-gov., acts.
↓
प्रशासन में भ्रष्टाचार क[illegible]

ऐसा नहीं

• महात्मा गांधी (हिंसा को [illegible]
भारत छोड़ो [illegible]
etc. [illegible]

Copyright – Drishti The Vision Foundation